खास-खबर

भवन निर्माण हेतु भूमि पूजन कल

विदिशा (निप्र)। निर्धन परिवारों के प्रतिभावान विद्यार्थियों को निशुल्क कोचिंग के माध्यम से सर्वांगीण शिक्षा-दीक्षा पूर्ण विकास को समर्पित विदिशा प्रतिभा विकास संस्थान को नगर के पूरनपुरा गली नं. 3 में दान में प्राप्त भूखण्ड पर रविवार 14 मार्च को प्रातः 10 बजे भूमि पूजन होगा। स्मरणीय है कि यह इस संस्थान का 25वां रजत जयंती वर्ष है। विदिशा विधायक शशांक श्रीकृष्ण भार्गव, एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम के कुलपति प्रो.पीबी शर्मा, पूर्व मंत्री सूर्यप्रकाश मीणा तथा एसएटीआई के संचालक डॉ.जेएस चौहान के संयुक्त आतिथ्य में यह आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के अध्यक्ष दिनेश वाजपेयी, कोषाध्यक्ष इंजीनियर सीएल गोयल, संरक्षक सीताराम गुप्त तथा सचिव कैलाशनारायण गुप्त ने सबको सादर आमंत्रित किया है।

ज्योतिषाचार्य स्वामी गीतानंद सरस्वती एवं डॉ.अवधेष पाण्डेय विदिशा में

विदिशा (निप्र)। ज्योतिष विद्या में स्वर्ण पदक से विभूषित ज्योतिषाचार्य स्वामी गीतानंद सरस्वती एवं राजज्योतिषी महर्षि डॉ. अवधेश पाण्डेय स्थानीय अहमदपुर रोड स्थित पोल फैक्ट्री के सामने स्थित गुरुदेव कॉलोनी में पधारे हुए है। उत्तरप्रदेश के जिला वस्ती से पधारे स्वामी गीतानंद को अपने ज्योतिष ज्ञान के लिये उत्तरप्रदेश के राज्यपाल द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। वे भारतीय ज्योतिष परिषद कलकत्ता के सम्मानित सदस्य भी हैं। वहीं, महर्षि डॉ. अवधेश पाण्डेय भी वास्तुविद, सर्वानुष्ठानिक होने के साथ ही ज्योतिष में स्वर्णपदक विजेता भी हैं। स्मरणीय है कि पूर्व में शास्त्री गार्डन में संपन्न ज्योतिष सम्मेलन में इन दोनों ज्योतिषाचार्य ने अनेक लोगों की समस्याओं का निराकरण किया था और उन्हें ज्योतिष सम्मेलन में सम्मानित किया गया था।

15 मार्च से चना और मसूर का उपार्जन होगा शुरू

सीहोर। रबी विपणन वर्ष 2021-22 में शासन द्वारा समर्थन मूल्य पर चना तथा मसूर फसल का उपार्जन 15 मार्च से 15 मई 2021 तक किया जाएगा। इसके तहत सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक किया जाएगा। जिले में चना उपज 32 उपार्जन केंद्रों पर और मसूर का उपार्जन 10 केंद्रों पर किया जाएगा। जिसमें चना और मसूर के लिए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य 5100 रुपए निर्धारित है। कलेक्टर अजय गुप्ता ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित दिनांक को उपार्जन शुरू करने के लिए सभी तैयारी और व्यवस्थाएं शीर्ष पूर्ण करें। बैठक में उप संचालक कृषि, जिला आपूर्ति अधिकारी, उपयुक्त सहकारिता, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक मर्या. जिला विपणन अधिकारी, जिला प्रबंधक डब्ल्यू एल.सी, जिला प्रबंधक नॉन आदि अधिकारी उपस्थित थे।

नगरोदय आयोजन का हुआ सीधा प्रसारण

गंजबासौदा। नगरीय क्षेत्र में होने वाले विकास कार्यों के भूमिपूजन तथा लोकार्पण कार्यक्रम नगरपालिका परिसर में शुक्रवार को संपन्न किये गये। यह आयोजन प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा एलईडी माध्यम से सीधा प्रसारित किया गया। जिनमें प्रमुख रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी क्षेत्र में कोई एक लाख 60 हजार हितग्राहियों को प्रथम तथा द्वितीय किस्त वन क्लिक से जारी की गई। इसके अलावा अन्य कोई आधा दर्जन बिंदुओं पर सिलसिलेवार संपन्न कराये जाने की प्रारंभिक कार्यवाही की गई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थी हितग्राहियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर विधायक श्रीमती लीना जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश सिंह जादौन सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चार दिन बंद रहेगी कृषि मंडी में नीलामी

गंजबासौदा। कृषि उपज मंडी समिति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि बैंक कर्मचारियों द्वारा 15 एवं 16 मार्च को विीिान्न माँगों को लेकर हड़ताल की घोषणा की है। वहीं 13 मार्च को द्वितीय शनिवार एवं 14 मार्च को रविवार होने की वजह से अवकाश रहेगा। इसलिए 13 से 16 तारीख तक कृषि मंडी में तौल तथा नीलामी का कारोबार व्यापारी नहीं करेंगे।

मोहल्ला क्लास में मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

शाजापुर। एकीकृत शाला शाउमावि ज्योतिनगर के प्राथमिक विभाग के नवाचारी शिक्षक प्रमोद गुप्ता द्वारा शुक्रवार को अपने बच्चों की मोहल्ला क्लास में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया गया। इस दौरान बच्चों और उनके पालकों को कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। शिक्षक द्वारा बताया गया कि अमृत उत्सव के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम 15 अगस्त 2022 के 75 सप्ताह पूर्व प्रारंभ होंगे।

लोगों के विकास और कल्याण के लिए दिन-रात काम कर रही है प्रदेश सरकारः मुख्यमंत्री

बालक-बालिकाओं की समान जन्म दर वाली पंचायतों को मुख्यमंत्री ने दो लाख रुपए पुरस्कार देने की घोषणा की

सीहोर।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नही और जन सेवा से जो पुण्य मिलता है उससे बड़ा कोई पुण्य नहीं है। यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीहोर जिले के ग्राम खैरी सिलगेना में आयोजित कार्यक्रम में कहीं। श्री चौहान यहां शिव यज्ञ में शामिल होने आए थे ।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार लोगों की भलाई के लिए लगातार काम कर रही है । उन्होंने कहा कि हम दिन-रात लोगों के विकास और कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कोरोना काल का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संकट के समय में प्रदेश सरकार ने गरीबों, किसानों, मजदूरों को राहत देने का काम किया है। उन्होंने बताया कि एक लाख 18 हजार करोड रुपए अनेक पेंशन, छात्रवृत्ति, किसान सम्मान निधि, और अन्य राहत के रूप में लोगों के खातों में जमा कराए हैं । उन्होंने कहा कि प्रदेश में लाड़ली लक्ष्मी योजना के साथ ही बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बेटियों के साथ होने वाली हिंसा और अपराध को रोकने के लिए कानून बनाया गया है । अभी तक 72 लोगों को इस कानून के तहत फांसी की सजा सुनाई गई है। उन्होंने सभी से कहा कि बेटा-बेटी में फर्क न करें दोनों एक समान हैं । उन्होंने ऐसी ग्राम पंचायतें जहां बालक-बालिकाओं की जन्म दर का अनुपात समान है, उन ग्राम पंचायतों को दो लाख रुपये पुरस्कार देने की घोषणा की। इसके साथ ही उन्होंने ऐसी ग्राम पंचायतों को भी दो लाख रुपये का पुरस्कार देने के लिए कहा जहां एक साल में कोई विवाद, झगड़ा नहीं हुआ हो और न ही कोई एफ आई आर थाने मे दर्ज हुई हो। श्री चौहान ने कहा कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए 50त्न आरक्षण का ही परिणाम है कि प्रदेश में 56त्न महिलाएं चुनाव जीतकर आई और बेहतर ढंग से पंचायतों और निकायों को चला रही हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गौ संरक्षण के लिए सरकार के साथ-साथ समाज को भी आगे आना होगा तभी इसके सार्थक परिणाम मिलेंगे उन्होंने कहा कि जो गौशालाएं जनभागीदारी से संचालित हो रही हैं उनके परिणाम बहुत अच्छे आ रहे द्य उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराधियों और रसूखदार अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि अनेक शहरों के बड़े-बड़े अतिक्रमण हटाएँ गए हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गरीबों के मेधावी बच्चे उच्च शिक्षा से वंचित ना रहे, इसके लिए सरकार आईटीआई, मेडिकल और अन्य तकनीकी पढ़ाई का खर्च उठाएगी। श्री चौहान ने बिगड़ते पर्यावरण पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि सभी लोग पेड़ लगाएं । विशेष रुप से जब बच्चों के जन्मदिन हो या विवाह की वर्षगांठ हो, इसके साथ ही अनेक सभी विशेष अवसरों पर पेड़ लगाना चाहिए। इससे पर्यावरण में सुधार आएगा।

सभी विभागों के स्थाई और दैवेभो कर्मचारियों को शीघ्र दिया जाए सातवां वेतनमान

सीहोर।

शासकीय विभागों में कार्यरत स्थाईकर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के हित में गौरव सन्नी महाजन ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा गया है। पत्र में उल्लेख किया है कि स्थाई कर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कार्मचारियों की सभी उचित मांगों शीघ्र पूरा करने और लंबित सातवां वेतनमान का लाभ देने की मांग ने की है।

श्री महाजन ने मुख्यमंत्री को प्रेषित पत्र में उल्लेख है कि विगत 25 वर्षो से लगातार शासकीय सेवा करने के बावजूद कर्मचारियों को नियमित और शासकीय कर्मचारी होने का दर्जा नहीं मिलना अपने आप में संवैधानिक व प्रकृति के नैसिंग न्याय के सिद्धांत के खिलाफ है। जिले में कार्रत सभी विभागों में लंबे समय से सेवारत स्थायईकर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों के हित में निर्णय लिया जाना चाहिए। स्थाईकर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को भी अन्य शासकीय कर्मचारियों के समान सातवां वेतनमान, अनुकंपा नियुक्ति चिकित्सा सुविधा, चिकित्सा अवकाश सहित समस्त मूलभूत सुविधाएं दी जानी चाहिए। महाजन ने कहा की समस्त दैनिक वेतन भोगी, सुरक्षा श्रमिकों एवं अंशकालीन दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नीति बनाकर नियमित किया जाना कर्मचारियों के लिए बड़ा पुरस्कार होगा। महाजन ने कहा की कई बार कर्मचारी संगठनों के द्वारा भी उक्त मांग की जाती रहीं है। स्थाईकर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों का भी प्रदेश के विकास और उन्नती में विशेष सहयोग है। प्रदेश के मुख्यमंत्री संवेदनशील है सभी वर्गों का ध्यान रखते है आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है की स्थाईकर्मियों और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की जायज मांगों को भी वह शीघ्र पूरा करेंगे।

बुज़ुर्गों का ख्याल रखना सबसे बड़ा संस्कार होता हैः सक्सैना

गंजबासौदा।

संस्कारों की संपदा बुज़ुर्गों, हमारे दादा-दादी, नाना-नानी के पास होती है, उनके पास बैठकर हम संस्कार और जीवन के सुख सीख सकते हैं। इसलिए प्रत्येक बच्चे को घर के बुज़ुर्गों के पास न केवल बैठना चाहिए बल्कि उनके सुख-दुख का साझी होकर जीवन का ज्ञान भी लेते रहना चाहिए। इससे जीवन के सारे सुख आपके साथ-साथ चलते चलेंगे।

यह बात सैण्ट एसआरएस पब्लिक हायर सैकण्डरी स्कूल की एनएसएस ईकाई के सात दिवसीय शिविर में बौद्धिक सत्र में नागरिक बैंक के पूर्व अध्यक्ष कैलाश सक्सैना ने बच्चों को संस्कारों का ज्ञान देते हुए कही। उन्होंने बताया कि स्वनियंत्रण ऐसा हथियार है, जिसके माध्यम से हम अपने मन के दोषों को जीत सकते है। जैसे सड़क पर चलते हुए आत्मनियंत्रण का गुण सहायक होता है। इस मौके पर वेदांत आश्रम के महंत हरिहर दास जी ने धार्मिक प्रसंगों के माध्यम से धर्म के विज्ञान को विस्तार से समझाया। उन्होंने भक्त प्रहलाद, ध्रुव जैसे बालकों के प्रसंगों के माध्यम से धर्म विज्ञान के माध्यम से ईश्वर को प्राप्त करने का सुझाव दिया। एनएसएस स्वयंसेवकों के अनुशासन एवं स्वावलंबन की उन्होंने प्रशंसा करते हुए कि हमारे संस्कृत पाठशाला के छात्र भी सीख रहे हैं। एनएसएस के माध्यम शुक्रवार को आधुनिक जीवन में अनुशासित विज्ञान के माध्यम से छात्रों का हित विषय पर संगोष्ठी में भाग लेते हुए भौतिक विषय के व्याख्याता डॉ. विजय कुमार जैन ने विज्ञान के लाभ हानियों पर विस्तार से बात करते हुए विज्ञान को परिभाषित किया। उन्होंने बताया कि विज्ञान सैद्धांतिक एवं अवधारणा स्तर पर आगे बढ़ता है, जीवन की जानकारी प्राप्त करना ज्ञान है, वही जीवन में उसे प्रयोगात्मक रूप से विशिष्ट तरीके से इस्तेमाल करना विज्ञान है। उन्होंने छात्रों से सवाल-जबाव के अंदाज में विज्ञान के लाभ हानियों पर चर्चा की और भौतिक विज्ञान से लेकर सामाजिक विज्ञान पर विचार रखे। संगोष्ठी का समापन करते हुए संस्था के डायरेक्टर केएस यादव ने अपने जीवन के महत्वपूर्ण पलों को साझा करते हुए छात्रों को जीवन में प्रगति करने के लिए संस्कारों के महत्व को स्पष्ट किया।

बेमौसम हुई वर्षा, ब्रांडेड पिसी सरवती की रंगत गायब

गंजबासौदा।

क्षेत्र में दो दिन से बराबर घने-घने बादलों की उपस्थिति में पानी की बौछारों ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। क्योंकि पूरे भारत में भिन्न-भिन्न नामों से ख्यातिनाम सरवती पिसी अब पानी गिरने से रंग के मान से हल्की हो जावेगी। वैसे महाराष्ट्र सहित कई प्रदेशों में अपना झंडा गाड़ने वाली सरवती तीन हजार प्रति क्विंटल से 3500 रूपये प्रति क्विंटल तक बाजार में बिकती है परंतु शुक्रवार को अल सुबह पानी की बौछारें आती रहीं।

गेंहू पिसी तकरीवन आई हुई खड़ी हैं। चना, मसूर की कटाई भी जोरों पर चल रही है। खेतों में कटी पड़ी हैं, चना मसूर की जगह-जगह डिबियाँ फैली पड़ी हैं। कहीं कहीं पचासी भी लग गई है परंतु पानी भरने से खासतौर पर नीचे-नीचे की फसल तो खराब हो ही गई है। वैसे भी जैसे ही धूप निकलेगी चना मसूर की फलियां झड़ेंगी। किसान बेमौसम बारिश से काफी चिंतित है क्योंकि खरीफ की फसल में किसान को लग्गत भी नहीं निकली बल्कि पूरा-पूरा घाटा हुआ है। जानकारी तो यह भी है कि त्योंदा क्षेत्र के कई गांवों में पानी की बौछारों के साथ ओलावृष्टि भी हुई है। पानी तथा ओलावृष्टि से ठंडी-ठंडी हवा चलने लग गई है। खेतों तथा खलिहानों में बाहर से आने वाले चैतुओं के डेरे डले हुए थे, उनमें अफरा तफरी मच गई है। लेवर दहलानों और स्कूलों में पनाह ले रहे हैं जो खेतों में ठहरे थे। वह पेड़ों की ओट के सहारे त्रिपालें आदि बांधकर बचाव किये हुए हैं। कुल मिलाकर किसान तथा लेवर पर संकट ही संकट है। किसानों का कहना है कि गेंहू पिसी के कलर पानी गिर जाने से उसकी चमक चली जावेगी। एक-एक क्विंटल 500 से 600 रूपये तक का अंतर आयेगा।

इसके अलावा समर्थन मूल्य पर खरीदी जाने वाली पिसी खरीदने में यदि मापदंड रखे गये तो चमक का जाना तथा नमी का रहना दोनों ही एफएक्यू से क्लेम क्वालिटी से जावेगा, दो-तीन दिन यदि धूप नहीं निकली और हल्की भी बारिश चलती रही तो दलहन की फसल तो चौपट होगी ही साथ ही गेंहू-पिसी में चमक का अभाव रहेगा। कुछेक क्वालिटी तो बिल्कुल सफेद हो जावेगी, जिनके रेट सिर्फ शासन की उदारता पर ही ठहरेंगे। खैर स्थिति जो भी हो किसान के हालात ठीक नहीं है।

भगवान महाकाल ने महाशिवरात्रि के दूसरे दिन पुष्प मुकुट धारण कर श्रद्धालुओ को दर्शन दिए

वर्ष में एक बार दोपहर में होने वाली भस्मार्ती संपन्न

उज्जैन।

विश्व प्रसिद्ध बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक दक्षिणमुखी श्री महाकालेश्वर मंदिर में विराजमान भगवान श्री महादेव ने महाशिवरात्रि पर्व के दूसरे दिन 12 मार्च को पुष्प मुकुट धारण कर श्रद्धालुओं को दर्शन दिये। वर्ष में एक बार होने वाली दोपहर की भस्मार्ती हुई। भगवान भोलेनाथ ने अपने भक्तों को दिव्य स्वरूप में दर्शन दिये। महाशिवरात्रि पर्व के दूसरे दिन 11 मार्च को प्रातः 4 बजे भगवान महाकाल को सेहरा चढाया गया। और उसके बाद प्रातः 6 बजे सेहरे की आरती की गई। उसके बाद प्रातः 11 बजे से सेहरा उतारा गया तत्पश्चात दोपहर 12 बजे से भगवान महाकाल की भस्मार्ती प्रारंभ हुई। भस्मार्ती के बाद मंदिर समिति की ओर से महाकाल प्रवचन हॉल में पारणा भोजन (ब्राम्ह्ण भोज) आयोजित किया गया। कोरोना के कारण इस बार भस्मार्ती में केवल पुजारी-पुरोहित ही शामिल हुए। इस बार वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भस्मार्ती में शामिल नहीं हुए। कलेक्टर आशीष सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सत्येन्द्र कुमार शुक्ल ने कंट्रोल रूम में बैठकर समस्त व्यवस्थाओं की मॉनीटरिंग की। कलेक्टर सिंह एवं पुलिस अधीक्षक कुमार शुक्ल ने व्यवस्था में सहयोग प्रदान करने के लिये सभी अधिकारी-कर्मचारी एवं मीडिया का आभार व्यक्त किया है।

रिटायरमेंट होने के बाद भी कर रहे है विभाग में कार्य

रायसेन।

जिले का पंजीयक कार्यालय आजकल खासा चर्चाओं में बना हुआ है क्योंकि इस विभाग के अधिकारी 3 जिलों का प्रभार संभाले हुए है। जिनमें भोपाल सिहोर रायसेन जिस कारण विभाग में क्या हो रहा है।

इस बात से क्या अधिकारी अनजान है जब इस मामले में अधिकारी से चर्चा की गई तो उनका कहना है कि कल से रिटायरमेंट कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित नही होगें परन्तु अधिकारी कहते कुछ है और होता कुछ और है इसी को लेकर अभी तक जिला पंजीयक कार्यालय में कर्मचारी गंधर्व सिंह ठाकुर 31 दिसम्बर 2020 को रिटायरमेंट हो चुके है। वहीं 28 फरवरी को सरिता बुंदेला भी रिटायर होने के बाद भी वह कार्यालय में रहकर कार्य निपटा रही है। क्या शासन के आदेश से यह कर्मचारी रिटायर होने के बाद भी कैसे विभाग में कार्य कर रहे है। क्योंकि अब यह कर्मचारी शासकीय कर्मचारी की श्रेणी में नहीं आते तो क्या विभाग की गोपनीयता भंग नहीं हो सकती तो क्या विभाग नये कर्मचारियों को कलेक्ट्रेट रेट पर कलेक्टर से अनुमति लेकर रख सकते है। परन्तु इन कर्मचारियों से कार्य लेने के पीछे अधिकारी की क्या मनसा है। इसको लेकर विभाग के अन्य कर्मचारियों में खासा रोष व्याप्त है। अब देखना है कि कलेक्टर महोदय इन कर्मचारियों पर क्या कार्यवाही करते है। ऐसा ही कई मामले जिले के विभागों में चल रहे है कि जो कर्मचारी रिटायरमेंट के बाद भी विभागों में कार्य करने में मशगूल है।

अमृत महोत्सव के तहत प्रतीकात्मक रूप से निकाली दांडी यात्रा

शाजापुर। आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बालकृष्ण शर्मा नवीन शासकीय महाविद्यालय एवं नेहरू युवा केन्द्र शाजापुर के संयुक्त तत्वाधान में शुक्रवार को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अभिभाषण का सीधा प्रसारण हुआ। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अम्बाराम कराड़ा, भाजपा नगर अध्यक्ष नवीन राठौर मंचासीन थे। अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य डॉ आरकेएस राठौर ने की। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र एवं स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलन के साथ की गई। आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम की रूपरेखा नेहरू युवा केन्द्र के जिला युवा अधिकारी संजीवसिंह ने प्रस्तुत की। इसके उपरांत कराड़ा ने दांडी यात्रा के महत्व एवं स्वतंत्रता सेनानियों के अभूतपूर्व योगदान के बारे में बताया। इस मौके पर स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो नारायण चौधरी एवं डॉ आशीषकुमार चाचोंदिया के द्वारा विषय से संबंधित विभिन्न पहलूओं पर व्याख्यान दिया गया। अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय प्राचार्य राठौर ने कहा कि भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए हमें अपने इतिहास से प्रेरणा एवं शिक्षा प्राप्त करना आवयक है। इसके बाद अतिथियों को संविधान की उद्देशिका का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। इस अवसर पर केंद्र के महानिदेशक प्रतिनिधि जीवनसिह परिहार के द्वारा अतिथितियों का स्वागत किया गया। महाविद्यालय परिसर में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ प्रतीकात्मक दांडी यात्रा की शुरूआत की गई, इस यात्रा का समापन महाविद्यालय में पं. बालकृष्ण शर्मा नवीन की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुआ। संचालन डॉ सुनील आडवाणी ने किया।

सायलो केन्द्र पर तुलने वाले गेहूँ के समर्थन मुल्य में बढोतरी करें

वाहन का भाडा भुगतान संबंधित सेवा सहकारी संस्था से कराए जाने की मांगः विधायक

नागदा जं.।

सायलो झिरमिरा और बोरखेडा पित्रामल में 20 कि.मी. से अधिक की दुरी के ग्राम सम्मिलित किए गये है जिससे किसानों को अपने गेहूँ समर्थन मुल्य में तोलने पर ज्यादा आर्थिक भार पडेगा वहीं सरकार को लाखों रूपये की बचत होगी। इसको प्रोत्साहित करने के लिए सायलो केन्द्र पर तुलने वाले गेहूँ के समर्थन मुल्य में बढोतरी करें या वाहन का भाडा भुगतान संबंधिता सेवा सहकारी संस्था से कराया जाए।

उक्त मांग करते हुए विधायक दिलीपसिंह गुर्जर ने बताया कि एक तरफ तो मध्यप्रदेश सरकार ने किसानों के गेहूँ समर्थन मूल्य पर क्रय करने हेतू क्षैत्र में गेहूँ उपार्जन केन्द्रों का विकेन्द्रीकरण कर किसानों को कम दुरी तय करना पडे तथा तत्काल कम समय में तुलाई हो इस लिए बनाए गये थे। परंतु शासन द्वारा उपार्जन केन्द्रों की बजाय सायलो केन्द्र झिरमिरा व बोरखेडा पित्रामल में गेहूँ विक्रय करने के निर्देश प्रदान किए है साथ ही एक सप्ताह में सिर्फ पांच दिन सोम से शुक्रवार तक (5 दिवस) गेहूँ खरीदी सायलो पर ही किये जाने के निर्देश है। श्री गुर्जर ने कहा कि सायलो केन्द्रों पर तुलाने पर पूर्व में खरीदी केन्द्रों से गेहूँ परिवहन करने पर शासन को ट्रक का भाडा, बारदान, खाली व भराई की हम्माली देना पडती थी जिससे सरकार को करोडों रूपये की बचत होगी परंतु इसके विपरित अधिक दुरी तय करने पर ट्रैक्टर किराया, डीजल का खर्च किसानों पर आवश्यक भार के रूप में पडेगा इसलिए शासन को चाहिए कि वो किसानों के ट्रैक्टर का भाडा या सायलो में तोलने वाले गेहूँ के मुल्य में बढोतरी करें जिससे किसान आर्थिक भार से बच सके। जिन-जिन सेवा सहकारी संस्थाओं को सायलों से जोडा या सम्मिलित किया है उन किसानों को जिनके पास निजी वाहन, ट्रैक्टर नहीं है वे किराये के वाहन से गेहूँ सायलो पर तुलाने ले जाएगें उन किसानों को वाहन किराया संबंधित सेवा सहकारी संस्था से भुगतान करने की व्यवस्था किसान हित में की जाना चाहिए। वहीं शासन की गाइडलाईन (नियम) है कि सायलो अधिकतम 20 कि.मी. से अधिक की दूरी पर न बनाया जाए लेकिन क्षेत्र के कई गांव सायलो (झिरमिरा या बोरखेडा पित्रामल) से 25 व 30 कि.मी. दुरस्थ गांवों को भी सायलों में सम्मिलित किए जाने से क्षेत्र के दर्जनों गांव शासन की निर्धारित गाइडलाईन से विपरित इसमें शामिल किए गए है।

8 वर्षो से बैंक में सेवा दे रहे कम्प्यूटर ऑपरेटरों को नहीं मिल पाता स्थायी आदेश

मामला जिले की सहकारी बैंक की शाखाओं का

रायसेन।

बिन सहकार नहीं उद्धार वाला सिद्धांत आज कल सहकारी बैकों के किस कोने में दबकर रह गया है। जिस कारण वर्तमान में जिन 16 कम्प्यूटर आपरेटरों ने अपनी लगनशीलता के कारण जिले की सहकारी बैकों और शाखाओं को कम्प्यूटरीकृत करने में अपना विशेष योगदान प्रदान करने वाले कम्प्यूटर आपरेटरों का भविष्य अब अंधकार में दिखाई दे रहा है।

क्योंकि जिन कम्प्यूटर आपरेटरों ने लगातार वर्ष 2013 से बैंक की शाखाओं में कार्य मात्र 10 हजार के मामूली से वेतन पर करते चले आ रहे है। आज उनके सामने अपने परिवार के जीवन यापन के लिए संघर्ष और आश्वासन के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हो सका है। इन 8 वर्षो के कार्यकाल में यह 16 कम्प्यूटर आपरेटर स्थायी नहीं हो सके है। ओर बैंक ने कार्य कराने के लिए नई संविदा पर नियुक्तिया तो कर डाली परन्तु बैकों घाटे से उवारने में यह नयें कर्मचारी भी असफ्ल है। वहीं शाखाओं में 16 कर्मचारियों को लगातार वर्ष 2013 से मात्र 6 माह का आदेश मिलता है। और दूसरे आदेश के लिए प्रदेश के लगभग 600 कर्मचारियों को आयुक्त सहकारिता अरविन्द सेंगर संयुक्त आयुक्त और सहकारिता मंत्री अरविन्द भदौरिया के आदेशों के लिए लगातार चक्कर लगाना पड़ता है। जब कि सहकारी बैंक द्वारा इन कर्मचारियो के लिए प्रस्ताव भेजा जाता है। जिसमें उल्लेख किया जाता है कि इन कर्मचारियो के आदेश जारी किए जायें जिससे बैकों की शाखाओं में अमानतों में वृद्धि के साथ उपार्जन कार्यों की दृष्टि से इनके आदेश जारी किए जायें परन्तु जिले के 16 कर्मचारी अभी भी 3 माह से बगैर वेतन के कार्य इस उद्देश्य से कर रहे कि हमेशा तरह लेट आदेश तो आ ही जाते है। परन्तु जिन कम्प्यूटर आपरेटरों ने अपना भविष्य बैंक हित में लगा दिया आज वहीं कर्मचारी मामूली से वेतन पर कार्य अस्थायी रूप से स्थायी की उम्मीद लगाये कार्य कर रहे है। परन्तु जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में अब कम्प्यूटर आपरेटरों की समस्याओ की निदान के लिए जिला बैकों के सेवा नियम में संसोधन प्रावधान करने के निर्देश सहकारिता मंत्री अरविन्द भदौरिया ने आयुक्त एवं पंजीयक सहकारी संस्थाओं को प्रदान किए जायें ज्ञात हो कि रायसेन जिले के 16 कम्प्यूटर आपरेटर गरोंठ विधायक देवीलाल धाकड़ ने गुरूवार को भोपाल में सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री अरविन्द भदौरिया से मुलाकात करते हुए बैंक के संविदा कर्मचारी को नियमित करने की मांग की अब देखना है कि सहकारिता मंत्री इन संविदा कर्मचारियों को कब तक नियमित करने के आदेश जारी करते है।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह आयोजित

शाजापुर। कोरोना संक्रमण के कारण जहां समस्त गतिविधियां थम गई थी तो वहीं लोक सेवकों की सेवानिवृत्ति के आयोजन भी सोशल डिस्टेंसिंग के दृष्टिगत नहीं किए गए। अब जबकि लॉकडाउन अवधि समाप्त हुई है तो पूर्व में सेवानिवृत्त लोक सेवकों के विदाई समारोह का दौर भी आरंभ हो गया है। इसी क्रम में 30 अप्रैल 2019 को सेवानिवृत्त हुए माध्यमिक विद्यालय दिल्लौद के प्रधानाध्यापक एनएस सूर्यवंशी का सेवानिवृत्ति विदाई समारोह शुक्रवार को बीएसी दीपक शर्मा, ओपी परमार, संजयकुमार सोनी के आतिथ्य में आयोजित किया गया। समारोह में सूर्यवंशी के कार्यकाल पर प्रकाश डाला गया। साथ ही उनका शाल-श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं साफा पहनाकर स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर लोंदिया के शिक्षक केएस बुंदेला, सुशील शर्मा, सुरेश राठौर, शोभा नागर, दिल्लौद शाला प्रबंधन समिति सदस्य कुमेरसिंह, जीवनसिंह, जसमतसिंह, बहादुरसिंह, राधेश्याम विश्वकर्मा, बलवानसिंह, सीमा राठौर, हरिसिंह सेंधव, अशोक गोठी, तेजूलाल फुलेरिया, कविता बोयत, कालूराम चौहान, राधेश्याम चौहान, शीला उपाध्याय, मनोज सोनवे, हेमंत सक्सेना, भैयालाल चांदना, रवि सूर्यवंशी, आशीष सक्सेना, दिलीप मालवीय, जन शिक्षक लोकेश राठौर मौजूद थे।